ग्रीन हाउस से 3 लाख

बद्रीलाल कुम्हार
गांव: अम्बापुरा, जिला: टोंक (राजस्थान)
मोबाइल 9982561964

इजराइल तकनीक प्रदेश के किसानों की सम्पन्नता बढ़ा रही है। वहीं, मरूधरा को सरसब्ज कर रही है। इसकी नजीर है टोंक जिले का बद्रीलाल कुम्हार, जो खीरा उत्पादन से सालाना 3 लाख का मुनाफा ले रहा है। प्रशिक्षण पाने के बाद मन में जगी कुछ नया करने की हसरत से इस किसान को यह मुकाम मिला है। जबकि, यह किसान महज आठवीं पास है। गौरतलब है कि टोंक जिले में सिंचाई की ज्यादातर व्यवस्था कुआं आधारित है। अच्छी बरसात हो जाये तो कुआं पानी से लबालब रहता है। अन्यथा, फसल चौपट होते देर नहीं लगती।

ग्रीन हाउस से 3 लाख

राजस्थान के टोंक जिले के अम्बापुरा गांव के बद्रीलाल कुम्हार प्रयोगधर्मी किसान है। बद्रीलाल कुम्हार ग्रीन हाउस में खीरे का उत्पादन कर सालाना 3 लाख रूपए का मुनाफा ले रहा है। आधुनिक कृषि से हो रही आय को देखते हुए इस किसान ने बागवानी फसलों से भी लाभ लेना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि इस जिले में संरक्षित खेती करने वाले किसानों की संख्या हाशिये पर है। आठवीं पास यह भ्रमण के लिए दुर्गापुरा स्थित आईएचआईटीसी आया था। प्रशिक्षण के दौरान किसान को ढिढ़ोल फार्म का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस फार्म पर खीरा, टमाटर सहित दूसरी फसलों की संरक्षित खेती देखकर किसान आश्चर्य से भर गया। गांव लौटकर कृषि विभाग से सम्पर्क किया। विभागीय औपचारिकताएं निपटाने के बाद किसान ने 4 हजार स्क्वायर मीटर क्षेत्र में तीन वर्ष पूर्व शैडनेट हाउस स्थापित करवाया। परिणाम यह रहा कि संरक्षित खेती के साथ-साथ पानी बचत का फलसफा भी किसान सीख चुका है। गौरतलब है कि गेहूं, जौ, चना और सौंफ की परम्परागत कृषि से पहले इस किसान को सालाना सवा से डेढ़ लाख रूपए की आय होती थी। लेकिन, संरक्षित खेती और बागवानी फसलों ने आय को दोगुना कर दिया है। इस किसान के पास आठ बीघा कृषि भूमि है।

ऐसी बढ़ी आय

4 हजार स्क्वायर मीटर क्षेत्र में शैडनेट हाउस लगाया। खीरा फसल का उत्पादन करने लगा। नतीजा यह रहा कि सारा खर्च निकालने के बाद प्रति फसल 3 लाख रूपए का मुनाफा मिल रहा है। वहीं, गेहूं और सौंफ की फसल से होने वाली आय अलग। गौरतलब है कि इस किसान के पास सिंचाई के लिए एक कुआं है। कुएं का जलस्तर कम होने के चलते 60 गुना 60 गुना 10 आकार का फार्मपौंड भी इस किसान ने बनवाया है।

बेर-अमरूद से डेढ़ लाख

संरक्षित खेती से पहले साल मिली आय को इस किसान ने बागवानी फसलों पर खर्च किया। 3 बीघा क्षेत्र में बेर और अमरूद का बगीचा लगाया। किसान का कहना है कि बगीचे से आय मिलना शुरू हो गई है। प्रति बीघा 60 हजार रूपए की आमदनी बागवानी फसलों से हो रही है।

उन्नत पशुधन

किसान के पास 4 भैंस और 2 गाय है। प्रतिदिन 8-10 लीटर दुग्ध का उत्पादन मिल रहा है। दुग्ध का विपणन डेयरी को 25 रूपए प्रति लीटर की दर से कर रहा हूँ। पशुओं का रख-रखाव और आहार प्रबंधन वैज्ञानिक तकनीक से कर रहा है। दुग्ध विपणन से रोजाना 250 रूपए की आय हो रही है।

साभार हलधर टाइम्स। वर्ष 12। अंक 31। 05-11 जून 2017